

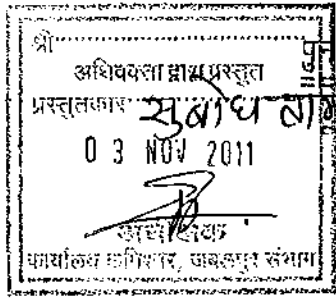


130

समक्ष न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वाडियर म०प्र० {केम्प जबलपुर}

पुनरीक्षण प्र०क्र० :-

12011 R-2046-I/2011



पुनरीक्षणकर्ता :-

कादीश पिता कलीराम, आयु 61 साल, निवासी- मुकाम पोस्ट आलीवाड़ा, तह. उदयपुरा, जिला राखीन म०प्र०

विरुद्ध

उत्तरवादी :-

1. औमप्रकाश पिता कालीराम,
 2. कालीराम पिता रामदयाल,
- निवासी- ग्राम पिपौरवा तहसील करेली, जिला-नरोसेंहपुर म०प्र०

130

क्रि. नं. 130
श्री. कादीश पिता कलीराम
श्री. कादीश पिता कलीराम
29-11-11
जबलपुर

पुनरीक्षण आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा-50 म०प्र० अधिनियम 1959-
पुनरीक्षणकर्ता द्वारा उक्त पुनरीक्षण माननीय न्यायालय अतिरिक्त
कमिश्नर, जबलपुर संभाग जबलपुर म०प्र० के प्र०क्र० द्वितीय अपील 248/अ-27/
2006-07 में पारित आदेश दिनांक 4.8.2011 से व्यथित होकर निम्नलिखित
तथ्यों एवं आधारों पर यह पुनरीक्षण प्रस्तुत कर रहा है :-

पुनरीक्षण के तथ्य



1. यह कि, पुनरीक्षणकर्ता/आवेदक द्वारा माननीय व्यवहार न्यायालय
वर्ग-2 गाडरवारा के समक्ष एक वाद भूमि के बटंवारे के संबंध में प्रस्तुत किया
गया था, जिसका कि क्रमांक 104 अ/95 है। उक्त कृषि भूमि जो कि
पुनरीक्षणकर्ता एवं अनावेदक/उत्तरार्थी के स्वामित्व की कृषि भूमि है, जो
मौजा डोंग्रासाईव न.बं. 196 न.ह.बं. 87/63, ख.नं. 50/76/1, 146/1,
142, 143, 144, 148, कुल रकवा 4:270 हेक्टेयर जिसे आगे विवादित
भूमि कहा गया है के बटंवारे के संबंध में माननीय न्यायालय गाडरवारा के
समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

3 NOV 2011

2. यह कि, दिनांक 19.2.98 को व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 गाडरवारा
के न्यायालय द्वारा पुनरीक्षणकर्ता/आवेदक का उक्त दावा स्वीकार करते हुये
पुनरीक्षणकर्ता/आवेदक एवं अनावेदक/उत्तरार्थी के मध्य 1/3, 1/3 एवं 1/3
भूमि का बटंवारा स्वीकार सम्झौते के आधार पर स्वीकार करते हुए पुनरीक्षण/
कर्ता/आवेदक के पक्ष में आज्ञापत्र/डिक्री पारित की गई थी।


Handwritten signature

XXVIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक निगरानी 2046-एक/11

जिला नरसिंहपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारी एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
25-5-16	<p>आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं । प्रकरण का अवलोकन किया गया । इस प्रकरण में आवेदक अधिवक्ता दिनांक 16-11-12 को उपस्थित थे किंतु उसके बाद लगातार अनुपस्थित हैं । आवेदक को उक्त दिनांक के बाद कई बार सूचना पत्र जारी किया गया किंतु फिर भी उनकी ओर से कोई उपस्थित नहीं हो रहा है । इससे ऐसा प्रतीत होता है कि आवेदक को प्रकरण को आगे चलाने में कोई रुचि नहीं है । अतः प्रकरण इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है । दाखिल रिकार्ड हो ।</p> <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	

